संकलित परीक्षा – II, 2012

63036

हिन्दी 'अ'

कक्षा – X

समय : 3 घण्टे **अधिकतम अंक : 80**

निर्देश :

(1) इस प्रश्न पत्र के **चार खंड** हैं – **क, ख, ग** और **घ**।

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खण्ड – क

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए ।** **1x5=5**

'हमारी मध्यकालीन व्यवस्था में धर्मांधता, कट्टरता , जातिवाद , रूढ़िवाद जैसी लाखों बुराइयाँ तो थीं लेकिन एक अच्छाई भी थी जो निभाई जा सके तो बहुत अच्छा हो । मुहल्ले -टोले में , गाँव -गिराम में, दूस रे को सहारा देने , अपने दुश्मन को भी पारिवारिक कष्ट में जानकर उसे मदद देने की एक परम्परा थी जो धीरे-धीरे खत्म हो रही है । कुछ ये बड़े शहर उसे मिटा रहे हैं, कुछ राजनीति की हवाई सिद्वान्तवादी कट्टरता और निहित स्वार्थों की मुठ्भेड़ उसे मिटा रही है । लेकिन जब कभी इक्की - दुक्की ऐसी खबरें दिख जाती हैं तो खुशी होती है, मन को एक राहत मिलती है कि हमारें देश के छोटे-छोटे गाँव - कस्बों के नितान्त साधारण लोग इन्सानियत के स्तर पर हमदर्दी प्यार, आपसी समझ्दारी और सहारे से अपने ढंग से राष्ट्र- निर्माण का काम करते चल रहे हैं, जो धुआँधार भाषणों से ज्यादा ठोस और महत्त्व का है । उन हजारों अज्ञात लोगों के ऐसे हज़ारों महत्त्वपूर्ण कामों की चाहे कोई खबर अखबार में न छपे लेकिन इस देश के असली निर्माता वे ही अज्ञात सधारण लोग हैं । झूठ और दंभयुक्ते प्रचार के कोलाहल में वे ही लोग मन की सच्चाई , ईमानदारी , नेकी और मानवीयता के बीज बो रहे हैं ।

(i) राष्ट्र –निर्माण का कार्य संभव है :

(क) झूठे और दंभयुक्त प्रचार से ।

(ख) भाषणबाजी करने से ।

(ग) आपसी समझदारी व स्वार्थ से ।

(घ) ईमानदारी और मानवता के बीज बोने से ।

(ii) 'समझदारी' शब्द से प्रत्यय अलग करने पर रूप होगा :

(क) समझदार +आरी।

(ख) समझ + दार +ई ।

(ग) समझदार + ई ।

(घ) समझ +दारी ।

(iii) लेखक के अनुसार इस देश के असली निर्माता हैं :

(क) स्वाभिमानी लोग ।

(ख) धुवाँधार भाषण देने वाले ।

(ग) सच्चे , ईमानदार और नेक लोग ।

(घ) सभी साधारण लोग ।

(iv) हमारी मध्यकालीन व्यवस्था की अच्छाई के लिए घातक है –

(क) स्वार्थ भावना , बड़े शहर एवं राजनीतिक कट्टरता ।

(ख) जातीयता की भावना ।

(ग) शहरी जीवन ।

(घ) पारिवारिक कष्ट ।

(v) हमारी मध्यकालीन व्यवस्था में जो अच्छाई थी, वह है :

(क) सिद्धान्तवादी कट्टरता (ख) दूसरों को सहारा देने की परम्परा ।

(ग) रूढ़िवादी परंपरा । (घ) धर्मान्धता

2. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए ।** **1x5=5**

'समय की परिवर्तनशीलता अचूक है । सब दिन एक से नहीं होते । जीवन का घटना-चक्र बदलता रहता है । इतिहास इसका साक्षी है । महाराज युधिष्ठिर को कौन नहीं जानता ? उनके सामने बड़े - बड़े राजा सिर झुकाते थे । उनके भाई अर्जुन और भीम की ललकार के सामने कौन खड़ा रह सकता था ? परंतु एक समय आया जब महाराज युधिष्ठिर व उनके भाइयों को वन-वन भटकना पड़ा । एक सधारण से राजा के यहाँ उन्हें शरण लेनी पड़ी और विराट नगरी में एक वर्ष तक छिपकर नौकरी करनी पड़ी । रावण की कीर्ति-पताका का कहीं ओर-छोर नहीं था। देवता उसके घर दासों का काम करते थे । भगवान भास्कर उसके प्रतिहार थे । क्षपानाथ चंद्रमा उसके चँवर डुलाते रहते थे । परंतु अंत में रावण का भी क्या हुआ ? उसे भी एक दिन नीचा देखना पड़ा और उसकी मृत्यु बुरी तरह हुई ।

तात्पर्य यह है कि एक -न - एक दिन सभी को बुरा समय और अच्छा समय देखना पड़ता है । समय की गति को न कोई रोक सकता है और न कोई पलट सकता है । उसके सामने सब घुटने टेक देते हैं।

(i) इतिहास साक्षी नहीं है -

(क) समय परिवर्तनशील है ।

(ख) जीवन का घटना – चक्र बदलता रहता है ।

(ग) सब दिन एक से नहीं होते ।

(घ) रावण मृत्यु से परे था।

(ii) घटना – चक्र में समास है :

(क) तत्पुरुष (ख) द्विगु

(ग) द्वंद्व (घ) अव्ययीभाव

(iii) रावण का उदाहरण देकर कवि कहना चाहता है , कि :

(क) रावण अच्छा आदमी था ।

(ख) रावण ने समय को जीत लिया था ।

(ग) उसको समय की गति के सामने परास्त होना पड़ा ।

(घ) उसका दंभ अच्छी बात थी ।

(iv) महाराज युधिष्ठिर को अपने भा इयों के साथ वन - वन भटकना पड़ा था , क्योकि :

(क) उन्हें घर से निकाल दिया गया था ।

(ख) उनका समय बुरा चल रहा था ।

(ग) वे युद्ध में लड़ना नहीं जानते थे ।

(घ) वे विवेकी नहीं थे ।

(v) समय की गति का आशय है :

(क) बुरे दिन होना ।

(ख) अच्छे दिन होना ।

(ग) समय की परिवर्तनशीलता ।

(घ) प्रतिदिन परिश्रम करना ।

3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **1x5=5**

तीर पर कैसे रुकूँ मैं,
आज लहरों में निमंत्रण!
रात का अंतिम प्रहर है,
झिलमिलाते हैं सितारे,
वक्ष पर युग बाहु बाँधे
मैं खड़ा सागर किनारे,
वेग से बहता प्रभंजन
केश – पट मेरे उड़ाता,
शून्य में भरता उदधि
उर की रहस्यमय पुकारें
इन पुकारों की प्रतिध्वनि
हो रही मेरे हृदय में,
है प्रतिच्छायित जहाँ पर
सिंधु का हिल्लोल – कंपन!
तीर पर कैसे रुकूँ मैं,
आज लहरों में निमंत्रण
विश्व की संपूर्ण पीड़ा

सम्मिलित हो रो रही है,
शुष्क पृथ्वी आँसुओं से
पाँव अपने धो रही है,
इस धरा पर, जो बसी दुनिया
यही अनुरूप उसके
इन व्यथा से हो न विचलित
नींद सुख की सो रही है,
क्यों धरणि अब तक न गलकर
लीन जलनिधि में गई हो?
क्यों निहारें नेत्र कवि के
भूमि पर जड़ तुल्य जीवन?
तीर पर कैसें रुकूँ मैं,
आज लहरों में निमंत्रण!

(i) कवि तट पर ज्यादा देर नहीं रुक सकता क्योंकि :
(क) ठंड बढ़ गई है।
(ख) लहरें आगे बढ़ने के लिए निमंत्रण दे रही हैं।
(ग) तट बहुत ज्यादा शोर है।
(घ) तूफान के आने की संभावना है।

(ii) कवि समुद्र के किनारे खड़ा है :
(क) रेत में पैर धँसाकर। (ख) नारियल के वृक्ष से टिककर।
(ग) ऊँची चट्टान पर चढ़कर। (घ) दोनों हाथों को छाती पर बाँधकर।

(iii) कवि उनको निहारने से बचना चाहता है :
(क) जो परिश्रम करते हं।
(ख) जिनका जीवन जड़ बन गया है।
(ग) जो निरंतर उदास रहते हैं।
(घ) जो सदा व्याकुल और अशांत रहते हैं।

(iv) विश्व की संपूर्ण पीड़ा की अभिव्यक्ति का स्वरूप है :
(क) तूफान के रूप में। (ख) उत्ताल तरंगों के रूप में।
(ग) पृथ्वी की अश्रु जलधारा के रूप में। (घ) झिलमिलाते सितारों के रूप में।

(v) पृथ्वी पर बसी दुनिया सुख की नींद सो रही है, क्योंकि :
(क) लगातार परिश्रम के कारण थक गई है।
(ख) सभी का हृदय संतुष्ट है।
(ग) वह दूसरों के कष्टों व दुखों की चिंता नहीं करती है।
(घ) निंरतर नीद में रहना उसकी प्रकृति है।

4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **1x5=5**

भयानक सूखा है
पक्षी छोड़कर चले गए हैं पेड़ों को
बिलों को छोड़कर चले गए हैं चींटे – चींटियाँ

देहरी और चौखट
पता नहीं कहाँ किधर चले गए हैं
घरों को छोड़कर।
भयानक सूखा है।
मवेशी खड़े हैं
एक दूसरे का मुँह ताकते हुए।
कहते हैं पिता
ऐसा अकाल कभी नहीं देखा
ऐसा अकाल कि बस्ती में
दूब तक झुलस जाए
सुना नहीं कभी
दूब मगर मरी नहीं
कहते हैं वे
और हो जाते हैं चुप।
निकलता हूँ मैं
दूब की तलाश में
खोज़ता हूँ परती–पठार
झाँकता हूँ कुओं में
छान डालता हूँ गली – चौराहे
मिलती नहीं दूब
मुझे मिलती हैं मुँह बाये घड़े
बाल्टियां, लोटे, परात
झाँकता हूँ घड़ों में
लोगों की आँखों की कटोरियों में
झाँकता हूँ मैं
मिलती नहीं
मिलती नहीं दूब

(i) उपर्युक्त कविता का विषय है :
(क) बाढ़ (ख) सूखा (ग) दूब (घ) पिता

(ii) पिता को अकाल भयानक लगा क्योंकि
(क) लोग घरों को छोड़कर चले गए थे। (ख) भयानक सूखा था।
(ग) मवेशी मुँह ताकते खड़े थे। (घ) दूब तक झुलस गई थी।

(iii) कवि के अनुसार घर को छोड़कर कौनचले गए हैं :
(क) पक्षी (ख) चींटे – चींटियाँ
(ग) ग्रामवासी (घ) मवेशी

(iv) व वि ने घड़े को 'मुँह बाये' कहा है क्योंकि :
(क) घड़ा टूट गया था। (ख) घड़ा सूखा एवं खाली था।
(ग) घड़ा दिखाई नहीं पड़ रहा था। (घ) घड़ा उल्टा था।

(v) काव्यांश का उचित शीर्षक है –

(क) दूब की तलाश। (ख) अकाल की विभीषिका।

(ग) टूट घड़े। (घ) चौखट – हीन मकान।

खण्ड – ख

5. निम्नलिखित वाक्यों के रेखांकित पदों के पद–परिचय के लिए उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए – **1x4=4**

i. दौड़कर जाओ और बाज़ार से कुछ ले आओ –

(क) परिणामवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्मकारक।

(ख) अनिश्चयवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्मकारक।

(ग) निश्चयवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्त्ताकारक।

(घ) अनिश्चयवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्मकारक।

ii. हरिओम इस विद्यालय में कक्षा दस तक पढ़ा था –

(क) विशेषण, संख्यावाचक, पुल्लिंग, बहुवचन, 'पढ़ा' क्रिया का विशेषण।

(ख) क्रियाविशेषण, संख्यावाचक, पुल्लिंग, बहुवचन, 'पढ़ा' क्रिया का विशेषण।

(ग) विशेषण, संख्यावाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'कक्षा' संज्ञा का विशेषण।

(घ) विशेषण, गुणवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'कक्षा' संज्ञा का विशेषण।

iii. सर्कस में मनुष्य पशुओं पर शासन करते हैं।

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन, संबंधकारक।

(ख) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन, करणकारक।

(ग) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, बहुवचन, संबंधकारक।

(घ) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन, अधिकरणकारक।

iv. वाह! बहुत मनोरंजक कहानी है –

(क) भाववाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, कहानी विशेष्य का विशेषण।

(ख) परिणामवाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, कहानी विशेष्य की विशेषण।

(ग) गुणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, कहानी विशेषण का विशेष्य।

(घ) गुणवाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, कहानी विशेष्य का विशेषण।

6. सही विकल्प चुनकर लिखिए – **1x4=4**

(1) मेरी बहिन छटी कक्षा में पढ़ती हैं – वाक्य का प्रकार है।

(क) सरल (ख) संयुक्त (ग) मिश्र (घ) साधारण

(2) निम्नलिखित का मिश्र वाक्य है।

मैना पिंजरे में है और वह फल खाती है।

(क) मैना पिंजरे में फल खाती है।

(ख) जो मैना पिंजरे में है वह फल खा रही है।

(ग) मैना पिंजरे में है ताकि वह फल खा सके।

(घ) पिंजरे में बैठी–बैठी मैना फल खा रही है।

(3) सही विकल्प चुनकर लिखिए —

निहाल का उद्देश्य है कि वह कक्षा में प्रथम आए। – वाक्य का भेद है —

(क) सरल वाक्य (ख) मिश्र वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य (घ) साधारण वाक्य

(4) यतीश सवेरे आया था और शाम को लौट गया – वाक्य का भेद है —

(क) सरल वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्र वाक्य (घ) साधारण वाक्य

7. सही वाच्य वाले विकल्प का चयन कीजिए : **1x4=4**

(i) पुलिस ने चोर को पकड़कर जेल में डाल दिया।

(क) कर्मवाच्य (ख) कर्तृवाच्य

(ग) भाववाच्य (घ) कर्तृ कर्म

(ii) निम्नलिखित वाक्य के कर्मवाच्य में परिवर्तित रूप का सही विकल्प छाँटिए।

''अध्यापक ने बच्चों को पुरस्कार दिए।''

(क) बच्चों ने अध्यापक से पुरस्कार पाए।

(ख) आध्यापक – बच्चों को पुरस्कार दिए।

(ग) अध्यापक द्वारा बच्चों को पुरस्कार दिए गए।

(घ) पुरस्कार अध्यापक ने बच्चों को दिए।

(iii) निम्नलिखित में भाववाच्य वाला वाक्य है :

(क) मुझसे चला नहीं जाता। (ख) मैं नहीं चलता।

(ग) मेरे द्वारा नहीं चला गया। (घ) मैं नहीं चल सकूँगा।

(iv) निम्नलिखित में कर्तृवाच्य वाला वाक्य है :

(क) मीरा के द्वारा खीर बनायी गई।

(ख) बुजुर्गों से चला नहीं जाता।

(ग) प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया।

(घ) मुझसे नाचा नहीं जाता।

8. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। **1x4=4**

(i) निम्नांकित पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार कौन–सा है? सही विकल्प चुनकर लिखिए।

पीपर पात सरिस मन डोला'

(क) उत्प्रेक्षा (ख) श्लेष (ग) उपमा (घ) रूपक

(ii) निम्नांकित में से किस पंक्ति में उत्प्रेक्षा अलंकार है? सही विकल्प चुनकर लिखिए।

(क) ऊँचा होता ताड़ का वृक्ष मानो छूले अंबर तल को।

(ख) पेड़ झुक झाँकने लगे गरदन उचकाए।

(ग) सुबरन को ढूँढत फिरत कवि, व्यभिचारी, चोर

(घ) प्रातः नभ था बहुत नीला शंख जैसे

(iii) निम्नांकित में से किस पंक्ति में मानवीकरण अलंकार प्रयुक्त हुआ है, सही विकल्प छाँटिए।

(क) दिवसावसान का समय,
मेघमय आसमान से उतर रही है,
संध्या सुंदरी परी सी धीरे–धीरे।

(ख) चारुचंद्र की चंचल किरणें।

(ग) कबिरा सोई पीर है, जो जाने पर पीर।

(घ) मंगन को देख पट देत बार-बार हैं।

(iv) 'काली घटा का घमंड घटा' पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार कौन सा है? सही विकल्प छाँटिए।

(क) अनुप्रास (ख) उत्प्रेक्षा (ग) यमक (घ) मानवीकरण

9. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए । **1x4=4**

(i) निम्नलिखित में से कौन- सा वाक्य मिश्र वाक्य है ।

(क) वह छात्र पास हो गया जो कल यहाँ आया था ।

(ख) वह खाना खाकर सो गया ।

(ग) शशि गा रही है और नाच रही है ।

(घ) अध्यापक अपने शिष्यों को अच्छा बनाना चाहता है ।

(ii) जिस वाक्य में कर्ता के अनुसार क्रिया का रूप बदलता है, उसे कहते है –

(क) कर्मवाच्य (ख) भाव वाच्य

(ग) कर्तृवाच्य (घ) साधारण वाच्य

(iii) निम्नलिखित में से किस पंक्तिण में रुपक अलंकार प्रयुक्ते हुआ है ? सही विकल्प चुनकर लिखिए ।

(क) मैंने छुटपन में छिपकर पैसे बोए थे ।

(ख) माली आवत देखकर कलियन करैं पुकार ।

(ग) आयसु कहा कहिअ किन मोही ।

(घ) एक राम घनश्याम हित चातक तुलसीदास ।

(iv) निम्नांकित काव्यपंक्तिक में रेखांकित की व्याकरणिक कोटि है :

'प्रलय मेघ से लगे घूमने वानर <u>वन</u> में '।

(क) वि शेषण (ख) संज्ञा

(ग) किया (घ) सर्वनाम

खण्ड – ग

10. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए – **1x5=5**

शहनाई के इसी मंगलध्वनि के नायक बिस्मिला खाँ साहब अस्सी बरस से सुर माँग रहे हैं। सच्चे सुर की नेमत। अस्सी बरस की पाँचों वक्त वाली नमाज़ इसी सुर को पाने की प्रार्थना में खर्च हो जाती है। लाखों सज़दे, इसी एक सच्चे सुर की इबादत में खुदा के आगे झुकते हैं। वे नमाज़ के बाद सज़दे में गिड़गिड़ाते हैं – 'मेरे मालिक एक सुर बख्श दे। सुर में वह तासीर पैदा कर कि आँखों से सच्चे मोती की तरह अनगढ़ आँसू निकल आएँ। उनको यकीन है, कभी खुदा यूँ ही उन पर मेहरबान होगा और अपनी झोली से सुर का फल निकालकर उनकी ओर उछालेगा, फिर कहेगा, ले जा अमीरुद्दीन इसको खा ले और कर ले अपनी मुराद पूरी।'

(i) बिस्मिल्ला खाँ को शहनाई की मंगलध्वनि का नायक क्यों कहा गया है?

(क) एक प्रसिद्ध शहनाई वादक हाने के कारण

(ख) अन्य शहनाई वादकों से श्रेष्ठ होने के कारण

(ग) उनके धार्मिक सद्भाव के कारण

(घ) शुभकार्य की सूचक शहनाई को मंगल वाद्य का स्वरूप देने के कारण

(ii) खाँ साहब की इच्छा कब पूरी होगी?

(क) जब ईश्वर की कृपा होगी।

(ख) जब ईश्वर की कृपा से सच्चे सुर की प्राप्ति होगी।

(ग) जब लोग सच्चे सुर की इबादत में झुकेंगे।

(घ) जब कोई विशेष पुरस्कार मिलेगा।

(iii) खाँ साहब सच्चा सुर पाने के लिए क्या करते हैं?

(क) हर नमाज़ हर सज़दे में खुदा से सच्चे सुर वी दुआ माँगते हैं।

(ख) प्रतिदिन सवेरे बालाजी के मंदिर जाकर रियाज़ करते हैं।

(ग) अपने मामा और गुरु अलीबख्श से शिक्षा प्राप्त करते हैं।

(घ) निरंतर एक सच्चा और अच्छा इंसान बनने का प्रयास करते हैं।

(iv) खाँ साहब अपने सुरों में कैसा प्रभाव लाना चाहते हैं?

(क) जो लोगों को रुला दे।

(ख) जो लोगों के हृदय को छू ले।

(ग) जो लोगों को सुनने में अच्छा लगे।

(घ) जिससे श्रोताओं की आँखों में आँसू आ जाएँ।

(v) खाँ साहब को क्या विश्वास है?

(क) खुदा बहुत इबादत – पसंद है।

(ख) खुदा यूँ ही किसी पर भी मेहरबान हो जाता है।

(ग) खुदा एक दिन उनकी इच्छा अवश्य पूरी करेगा।

(घ) खुदा बहुत लंबे समय बाद ही दुआ कुबूल करता है।

अथवा

एक संस्कृत व्यक्ति किसी नयी चीज़ की खोज करता है, किंतु उसकी संतान को वह अपने पूर्वज से अनायास ही प्राप्त हो जाती है। जिस व्यक्ति की बुद्धि ने अथवा उसके विवेक ने किसी भी नए तथ्य का दर्शन किया, वह व्यक्ति ही वास्तविक संस्कृत व्यक्ति है और उसकी संतान जिसे अपने पूर्वज से वह वस्तु अनायास ही प्राप्त हो गई है, वह अपने पूर्वज की भाँति सभ्य भल ही बन जाए, संस्कृत नहीं कहला सकता। एक आधुनिक उदाहरण लें। न्यूटन ने गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत का आविष्कार किया। वह संस्कृत मानव था। आज के युग का भौतिक विज्ञान का विद्यार्थी न्यूटन के गुरुत्वाकर्षण से तो परिचित है ही, लेकिन उसके साथ उसे और भी अनेक बातों का ज्ञान प्राप्त है जिनसे शायद न्यूटन अपरिचित ही रहा। ऐसा होने पर भी हम आज के भौतिक विज्ञान के विद्यार्थी को न्यूटन की अपेक्षा अधिक सभ्य भले ही कह सकें, पर न्यूटन जितना संस्कृत नहीं कह सकते।

(i) संस्कृत व्यक्ति की क्या पहचान है?

(क) वह संस्कृत पढ़ता है।

(ख) वह बहुत सभ्य होता है।

(ग) वह संस्कृति को जानता, पहचानता है।

(घ) वह सर्वथा नवीन खोज करता है।

(ii) खोजी वस्तु जिसे अनायास ही मिल जाए उसे संस्कृत नहीं कह सकते क्योंकि :

(क) उसने कोई आविष्कार नहीं किया।

(ख) उसे पूर्वजों की भाँति ज्ञान नहीं है।

(ग) उसे पूर्वजों से अधिक ज्ञान होता है।

(घ) वह सभ्य कहलाता है।

(iii) 'सभ्य' व्यक्ति कौन होता है?

(क) जो पढ़ा-लिखा और विनम्र हो।

(ख) जो आविष्कृत तथ्य का प्रयोग कर उसे आगे बढ़ाए है।

(ग) जिसे संस्कृति का भरपूर ज्ञान हो।

(घ) जो आए दिन नई खोज करता हो।

(iv) न्यूटन और आज के भौतिक विज्ञान के विद्यार्थी में क्या अंतर है?

(क) आज के विद्यार्थी ने ज़्यादा ज्ञान प्राप्त किया है।

(ख) आज के विद्यार्थी ने न्यूटन की भाँति कोई आविष्कार नहीं किया।

(ग) न्यूटन संस्कृत और सभ्य व्यक्ति था और आज का विद्यार्थी सिर्फ सभ्य व्यक्ति है।

(घ) न्यूटन ने गुरुत्वाकर्षण का आविष्कार किया था।

(v) 'अनायास' शब्द का अर्थ होगा –

(क) प्रयास न करना

(ख) बिना कोशिश के

(ग) बिना आस के

(घ) अस्वाभाविक रूप से

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए – **2x5=10**

(क) द्विवेदी जी ने किन लोगों को समाज की दृष्टि में दंडनीय कहा और क्यों?

(ख) स्त्रियों को अशिक्षित रखकर क्या भारत का गौरव बढ़ाया जा सकता है? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

(ग) अध्यापिका शीला अग्रवाल ने मन्नू भंडारी के जीवन को किस प्रकार किस तरफ मोड़ा?

(घ) फ़ादर बुल्के को हिंदी से प्रेम था, उदाहरण देकर प्रतिपादित कीजिए।

(ङ) लेखक ने फ़ादर बुल्के को 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' क्यों कहा है?

12. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

धन्य तुम, माँ भी तुम्हारी धन्य!
चिर प्रवासी मैं इतर, मैं अन्य!
इस अतिथि से प्रिय तुम्हारा क्या रहा संपर्क
उँगलियाँ माँ की कराती रही हैं मधुपर्क
देखते तुम इधर कनखी मार
और होतीं जब कि आँखें चार
तब तुम्हारी दंतुरित मुस्कान
मुझे लगती बड़ी ही छविमान।

(क) कवि ने शिशु और उसकी माँ को धन्य क्यों कहा है? **2**

(ख) कवि स्वयं को इतर, अन्य और अतिथि क्यों मानता है? **2**

(ग) कवि को छविमान क्या लगा है? **1**

अथवा

दुविधा-हत साहस है, दिखता है पंथ नहीं।
देह सुखी हो पर मन के दु:ख का अंत नहीं।
दु:ख है न चाँद खिला शरद-रात आने पर
क्या हुआ जो खिला फूल रस बसंत जाने पर?
जो मिला उसे भूल कर तू भविष्य वरण,
छाया मत छूना
मन, होगा दु:ख दूना।

(क) साहस को दुविधा-हत क्यों कहा गया है? **2**

(ख) शरद-ऋतु में चाँद खिलने का क्या अभिप्राय है? **2**

(ग) गीतकार भविष्य वरण की बात क्यों कहता है? **1**

13. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

(क) 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' पाठ में आपको लक्ष्मण, राम और परशुराम में से कौन अच्छा लगा और क्यों? **2**

(ख) 'लड़की होना पर लड़की जैसी दिखाई मत देना'' माता ने 'कन्यादान' कविता में यह क्यों कहा है? **2**

(ग) मुख्य गायक के भटकने पर संगतकार 'स्थायी' को कैसे सँभाले रहता है? 'संगतकार' कविता के आधार पर उत्तर दीजिए। **1**

14. संक्षेप में उत्तर लिखिए। **5**

'एही ठैयाँ झुलनी हेरानी हो रामा' पाठ का उद्देश्य समझाते हुए शीर्षक की उपयुक्तता बताइए।

अथवा

'साना साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर सिक्किम के प्राकृतिक सौन्दर्य को स्पष्ट करिए।

खण्ड - घ

15. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संकेत बिन्दुओं के आधार पर संक्षेप में निबंध लिखिए। **5**

(क) प्रदूषण का प्रभाव

प्रदूषण का अर्थ और प्रकार, सभी तत्वों का मानवीय स्वास्थ्य और पर्यावरण पर प्रभाव, समाधान एवं सुझाव।

(ख) राष्ट्र के प्रति हमारे कर्त्तव्य :

विद्यार्थी और राष्ट्र का संबंध, विद्यार्थी किस प्रकार कर्त्तव्य-पालन कर सकता है, सुझाव।

16. नए विद्यालय में प्रवेश लेने पर आपको किन-किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा? इसकी जानकारी अपने माता-पिता को पत्र लिखकर दीजिए। **5**

अथवा

अपने भाई की शादी की व्यस्तता का कारण बताते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य महोदय को दो

दिवस के अवकाश हेतु प्राथना–पत्र लिखिए।